जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक–118
दिनांक–24.12.2025

125 दिन के रोजगार की गारंटी के साथ ही ग्रामीणों की आजीविका भी होगी सुदृढ़– कुलपति डॉ. पी.के.मिश्रा

जनेकृविवि में विकसित भारत जी. राम जी. अधिनियम के प्रति किया जागरूक

जबलपुर 24 दिसम्बर, 2025। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. टी.आर.शर्मा की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर में किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ. ए.के. जैन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यअतिथि की आसंदी से कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि किसानों के जीवन में किसान दिवस का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। आपने विकसित भारत जी. राम जी अधिनियम 2025 के संबंध में किसानों को जागरूक करते हुये कहा कि इसमें 125 दिन के रोजगार की गारंटी के साथ ही ग्रामीणों की आजीविका भी सुदृढ़ होगी।

संचालक विस्तार सेवाएं, डॉ. टी. आर. शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि किसान दिवस का आयोजन भारत के पांचवें प्रधानमंत्री श्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के

विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ. ए. के. जैन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव ने भी किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने हेतु प्रेरित किया।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला ने कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन तथा कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। साथ ही कहा कि संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी. आर. शर्मा के निर्देशानुसार, समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों में किसान दिवस का आयोजन किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य किसान भाइयों को खेती–किसानी के साथ ही विकसित भारत जी. राम जी अधिनियम 2025 के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा द्वारा किसानो को शाल और श्रीफल से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी. के. सिंह एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ऋचा सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. डी. के. सिंह, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. ऋचा सिंह एवं अंजना गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इन्होंने किसानों को कृषि तकनीकी एवं प्रसंस्करण के माध्यम से खेती को लाभकारी बनाने हेतु जानकारी दी। कार्यक्रम में 162 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।